>

Title: Need to review the plan of setting up of Bio-diversity Park in Yamuna Khadar region in Delhi.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व0 श्री जवाहर लाल नेहरू जी द्वारा दिल्ली के गरीब, पिछड़े हुए एवं भूमिहीन किसानों के रोजगार के लिए अधिक अन्न उपजाऊ आंदोलन के अंतर्गत दिल्ली यमुना खादर की वजीराबाद से लेकर ओखला बैराज तक की भूमि को वर्ष 1949 में खेती के लिए सोसायटी के माध्यम से लीज पर आवंटित की थी।

कृषकों ने खादर की इस भूमि को न केवल हरा-भरा बनाया, बल्कि इसको सुरक्षित भी रखा। उन्होंने इस भूमि पर खेती करके दिल्ली निवासियों के लिए ताजा सब्जियां, फल, फूल एवं अनाज उपलबध करवाया। अब दिल्ली विकास प्राधिकरण इन गरीब लोगों से खादर की भूमि लेकर इस पर बायोडायवर्सटी पार्क बनाना चाहता है।

यह विदित ही है कि यह सारी भूमि यमुना नदी क्षेत्र की है, जिसमें हर वर्ष बाढ़ आती है तथा जब किसान भी भिन्न-भिन्न मौसमी फसल पैदा करके पार्क का ही कार्य कर रहे हैं तो उनकी रोजी-रोटी को ध्यान में रखते हुए डी0डी0ए0 की इस यमुना खादर में बायोडायवर्सटी पार्क बनाने की योजना उचित नहीं है। इस देश में पार्कों से ज्यादा लोगों को रोजगार की आवश्यकता है और पार्क संस्कृति के नाम पर खादर की भूमि को गरीब किसानों से लेना उचित नहीं है। ऐसा करने से उनका रोजगार छिन जाएगा और वे भुखमरी की स्थिति में पहुंच जाएंगे।

यह ध्यान में लाना भी उचित होगा कि दिल्ली यमुना खादर की 9792 हेक्टेयर भूमि भूजल, पुनर्भरण एवं यमुना की रेती स्पंज की तरह जल को शुद्ध करके राजधानीवासियों के लिए पानी की आपूर्ति करती है। इसलिए, यदि इस पर बायोडायवर्सटी के नाम पर पक्का कार्य किया गया तो यमुना की रेती का पुनर्भरण रूक जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप दिल्लीवासियों को पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

अतः ऐसी स्थिति में मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह यमुना खादर भूमि से जुड़े कृषकों के हितों को ध्यान में रखते हुए वहां पर बायोडायवर्सटी पार्क बनाए जाने की योजना को रद्द करते हुए यमुना खादर भूमि पर कृषकों का यथावत कब्जा कायम रखने हेतु आवश्यक कदम उठाए।